

NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION NOVEMBER 2023

HINDI FIRST ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

Time: 2 hours 80 marks

PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY

- 1. This question paper consists of 7 pages. Please check that your question paper is complete.
- 2. Read the instructions to each question carefully.
- 3. Answer all sections.
- 4. All answers must be written in the Hindi script.
- 5. You may use the last 4 pages of the Answer Book for rough work. Cross out all rough work before handing in your answer book.
- 6. It is in your own interest to write legibly and to present your work neatly.

IEB Copyright © 2023 PLEASE TURN OVER

भाग क

प्रशन एक

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में दीजिए।

योग का एक संक्षिप्त इतिहास

"योग" शब्द सुनते ही आपके दिमाग में क्या आता है? स्ट्रेच, व्यायाम या लचीला शरीर?

खैर, योग यहीं तक सीमित नहीं है। इसके ऐसे लाभ हैं जो लचीलेपन की बाधाओं से परे हैं। यह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को समान रूप से मजबूत करने में सहायता करता है। यह खूबसूरत कला कई शताब्दियों में विकसित हुई है। यह एक आध्यात्मिक अनुशासन है जिसका उद्देश्य शरीर और मन और आत्मा के बीच शाश्वत शांति और सद्भाव प्राप्त करना है। इसका उद्देश्य हमारे शरीर को शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाने के साथ-साथ मानसिक प्रदूषकों के हमारे दिमाग को साफ करना है।

'योग' की उत्पत्ति संस्कृत शब्द 'युज' से हुई है जिसका अर्थ है जुड़ना या जुड़ना। शब्द की उत्पत्ति ही बहुत कुछ बोलती है। इसका उद्देश्य आपके दिमाग और शरीर को जोड़ना और उन्हें शांति से और एक साथ मिलकर काम करने में मदद करना है।

यह आपकी चेतना को सार्वभौमिक चेतना से मिलाने का काम करता है। जो व्यक्ति प्रकृति और स्वयं के बीच इस एकता और बंधन का अनुभव करता है, उसे मोक्ष (परम मुक्ति) प्राप्त हुआ कहा जाता है।

योग का उद्देश्य सबसे कठिन कार्यों का सामना करने पर भी आत्म-साक्षात्कार और शांति प्राप्त करना है। तभी आप वास्तव में कैवल्य (स्वतंत्रता) प्राप्त करते हैं। यह बुनियादी मानवीय मूल्य प्रदान करता है और मनुष्य को आनंद, शांति और कृतज्ञता से भरी एक स्थायी जीवन शैली की ओर धकेलता है

'योग' शब्द का उल्लेख सबसे पहले ऋग्वेद के प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में किया गया था, जो 1500 ईसा पूर्व का है। इस पुराने ग्रन्थ में मुख्य रूप से अनुष्ठानों, मंत्रों और गीतों की बात की गई थी जिनका उपयोग वैदिक पुजारी अपने जीवन में करते थे।

प्राचीन काल में मनुष्य योग के वास्तविक सार को समझता था। योग का उद्देश्य स्वयं को अपने आसपास की दुनिया से जोड़ना था। इसने सांस लेने और शरीर, आत्मा और मन को मुक्त करने पर ध्यान केंद्रित किया। हमारे पूर्वजों ने मानसिक स्वच्छता के महत्व को समझा और निष्कर्ष निकाला कि योग के नियमित अभ्यास से शरीर और आत्मा अनावश्यक प्रदूषकों से मुक्त हो जाएंगे।

हालाँकि, वर्तमान समय में, योग के बोले गए लाभ फिटनेस, लचीलेपन और खुद को शारीरिक अक्षमताओं से मुक्त करने तक सीमित हैं। मन और आत्मा की स्वच्छता में निहित योग की सच्ची भावना हमारे पूर्ववर्तियों की कब्रों में भुला दी गई है।

कोविड-19 की सुबह ने हममें से प्रत्येक को आराम से बैठने और जीवन के सच्चे उद्देश्य के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया है। हम सभी ने इसके पीछे के सही अर्थ पर विचार किया है और अपनी जीवन शैली में बदलाव किया है, होशपूर्वक या नहीं। इस बदलाव को शामिल करने का इससे बेहतर तरीका नहीं है कि योग को अपनी दिनचर्या में रोजाना एक निश्चित समय के लिए शामिल किया जाए। भारत में कई अलग-अलग रीति-रिवाजों और परंपराओं के बावजूद, योग किसी धर्म या जाति का पालन नहीं करता है।

१.१	"योग" किस संस्कृत शब्द से आते है ?	(१)
१.२	इस शब्द का अर्थ क्या है ?	(२)
٤.3	अपने शब्दों में समझाए की योग क्या है?	(3)
የ.ሄ	मनुष्य के शरीर के लिए योग क्या लाभ है ?	(8)
१.५	किसी के जीवन में योग का उद्देश्य क्या है ?	(ধ)
१.६	प्राचीन काल में योग का उद्देश्य क्या था ?	(ধ)
१.७	आप आधुनिक समय में योग का वर्णन कैसे करेंगे ?	(ধ)
۷.٤	किस दुनिया भर का खतरनाक बिमारी हम सब का जीवन बदल दिया है ?	(१)

१.१० समानार्थी शब्द लिखिए :

बताएं कि कैसे, योग इस बिमारी के समय पर, मनुष्य की सबसे अच्छी साथी बन

१.१०.२ बदल (१)

[३०]

(२)

गये।

8.8

भाग ख

प्रशन दो

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका संक्षिप्त विवरण कीजिए:

दोस्ती और भरोसा

रात घिर आई थी। परदेश की यात्रा पर निकले दो दोस्त सोहन और मोहन एक जंगल से गुजर रहे थे। जंगल में अक्सर जंगली जानवरों का भय रहता है। सोहन को भय था कि कहीं किसी जंगली जानवर से उनका सामना न हो जाए।

वह मोहन से बोला, "मित्र! इस जंगल में अवश्य जंगली जानवर होंगे। यदि किसी जानवर ने हम पर हमला कर दिया, तो हम क्या करेंगे?"

सोहन बोला, "मित्र डरो नहीं। मैं तुम्हारे साथ हूँ। कोई भी ख़तरा आ जाये, मैं तुम्हारा साथ नहीं छोडूंगा। हम दोनों साथ मिलकर हर मुश्किल का सामना कर लेंगे।"

इसी तरह बातें करते हुए वे आगे बढ़ते जा रहे थे कि अचानक एक भालू उनके सामने आ गया। दोनों दोस्त डर गए। भालू उनकी ओर बढ़ने लगा। सोहन इर के मारे तुरंत एक पेड़ पर चढ़ गया। उसे सोचा कि मोहन भी पेड़ पर चढ़ जायेगा, लेकिन मोहन को पेड़ पर चढ़ना नहीं आता था। वह असहाय से नीचे ही खड़ा रहा।

भालू उसके नज़दीक आने लगा। मोहन डर के मारे पसीने-पसीने होने लगा। लेकिन डरते हुए भी वह किसी तरह भालू से बचने का उपाय सोचने लगा। सोचते-सोचते एक उपाय उसके दिमाग में आ गया। वह जमीन पर गिर पड़ा और अपनी सांस रोककर एक मृत व्यक्ति की तरह लेटा रहा।

भालू नज़दीक आया। मोहन के चारों ओर घूमकर वह उसे सूंघने लगा। पेड़ पर चढ़ा सोहन यह सब देख रहा था। उसने देखा कि भालू मोहन के कान में कुछ फुसफुसा रहा है। कान में फुसफुसाने के बाद भालू चला गया।

भालू के जाते ही सोहन पेड़ से उतर गया। मोहन भी तब तक उठ खड़ा हुआ। सोहन ने मोहन से पूछा, "मित्र! जब तुम जमीन पर पड़े थे, तो मैंने देखा कि भालू तुम्हारे कान में कुछ फुसफुसा रहा है। क्या वो कुछ कह रहा था?"

"हाँ, भालू ने मुझसे कहा कि कभी भी ऐसे दोस्त पर विश्वास मत करना, जो तुम्हें विपत्ति में अकेला छोड़कर भाग जाये ।"

सीख - जो दोस्त संकट में छोड़कर भाग जाये, वह भरोसे के काबिल नहीं।

[Source: <motivationalstoryinhindi.com>]

भाग ग

प्रश्न तीन

निम्नलिखित विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों का उत्तर दीजिए।



[Source: <Brainly.in>]

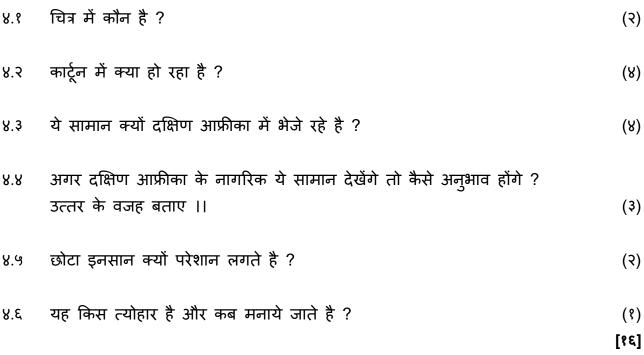
IEB Copyright © 2023 PLEASE TURN OVER

3.6	आपका पसंदीदा स्वाद कौन सा है ?	[58]
3.ს	आप इस विज्ञापन को और ज़बरदस्त कैसे बना सकते ?	(3)
	३.६.२ "असली गूदे वाला जूस" अपने शब्दों में समझाइए ।	(२)
3.६	३.६.१ इस रस का दाम क्या है ?	(१)
३.५	यह रस किन स्वादों में अलब्ध है ?	(3)
3.8	"दाम ज़बरदस्त, स्वाद मस्त" का अर्थ समझाइए ।	(8)
3.3	अन्य रसों की तुलना में, इस रस को क्या अधिक आनंददायक बनाता है ?	(8)
	३.२.२ यह नाम क्यों चुना गया, इसका कारण बताएं ।	(२)
3.2	३.२.१ उत्पाद का नाम क्या है ?	(१)
3.8	किस तरह का उत्पाद विज्ञापित है ?	(3)

प्रशन चार

निम्नलिखित चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए।





Total: 80 marks